न्यूज डायरी

अमेरिका ने बनाया दुश्मन के स्वार्म ड्रोन को तबाह करने वाला हथियार

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वॉशिंगटन। स्वार्म ड्रोन टेक्नोलॉजी ने दुनिया के लगभग सभी देशों को अपनी–अपनी युद्धनीति को बदलने पर मजबूर कर दिया है। इन छोटे–छोटे आत्मघाती हमलावर ड्रोन की फौज किसी भी देश में घुसकर भयानक तबाही मचा सकती है। साल 2020 में आर्मीनिया–अजरबैजान के बीच हुए नागोर्नो–कारबाख युद्ध के दौरान बड़े पैमाने पर सुइसाइड ड्रोन का इस्तेमाल दिखा था। भारत भी सीमापार से ड्रोन के जरिए नशीले पदार्थ और हथियारों की डिलीवरी को लेकर खासा चिंतित है। यही कारण है कि दुनियाभर के सभी देश एंटी ड्रोन सिस्टम के अलग–अलग मॉडल को विकसित कर रहे हैं।
अब खबर आई है कि अमेरिका की एयरोस्पेस और डिफेंस कंपनी जनरल डायनेमिक्स ने एपिरस के साथ मिलकर एक स्वार्म ड्रोन किलर हथियार को विकसित किया है।

काबुल हमले में तालिबान के वरिष्ठ कमांडर की भी मौत

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) काबुल। काबुल के सैन्य अस्पताल पर हुए हमले में 25 लोगों की मौत हो गई है,जबकि 50 से अधिक लोग घायल हुए हैं। एएफपी समाचार एजेंसी के अनुसार मरने वालों में वरिष्ठ तालिबान कमांडर भी शामिल है। अफगानिस्तान का सबसे बड़े सैन्य अस्पताल सरदार मुहम्मद दाऊद खान मिलिटरी अस्पताल के प्रवेश द्वार के करीब भीषण विस्फोट हुआ था। संयुक्त राष्ट्र ने भी काबुल के अस्पताल में हुए भीषण विस्फोटों की निंदा की है। यूएन ने कहा है कि इलाज करा रहे नागरिकों और चिकित्सा कर्मियों को निशाना बनाना मानवाधिकारों और अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानून का उल्लंघन है। अफगानिस्तान में संयुक्त राष्ट्र सहायता मिशन ने ट्विटर पर कहा कि हमले के लिए जिम्मेदार लोगों को जिम्मेदार ठहराया जाना चाहिए। स्पुतनिक ने बख्तार समाचार एजेंसी के हवाले से बताया कि आइएस के हमलावर ने अस्पताल के प्रवेश द्वार पर खुद को उड़ा लिया और कई और हमलावर इमारत में घुस गए।

चीन में कोरोना के मामलों में एक बार फिर से तेजी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) बीजिंग। चीन में एक बार फिर से कोरोना के मामले तेजी से बढ़ने लगे हैं। चीन की राजधानी बीजिंग मे कोरोना के मामलों अचानक से बढ़ गए हैं। जिसे काबू करने के लिए प्रशासन ने कोविड–19 नियमों को सख्त कर दिया है। अगले सप्ताह कम्युनिस्ट पार्टी के सर्वोच्च रैंकिंग वाले सदस्यों की एक प्रमुख सभा से पहले राजधानी बीजिंग में प्रसार को रोकने के लिए चीन ने कड़े प्रतिबंध लागू कर दिए हैं। देश के दूसरे हिस्सों की यात्रा पर गए और वहां पर संक्रमण के मामले बढ़ने पर वापसी की यात्रा रद करने को कहा है। इसके साथ ही चीन की 'शून्य कोविड' नीति के प्रभावी होने पर भी चिंता पैदा हो गई है। बीजिंग के स्वास्थ्य आयोग ने कहा कि शहर से बाहर गए लोगों को अपनी वापसी की यात्रा रद्द कर देनी चाहिए अगर वे जहां पर गए हैं, वहां पर उनके रहने के दौरान कोविड–19 के मामलों की पुष्टि हुई है।

पाकिस्तान में सार्वजनिक स्थानों पर कृपाण नहीं ले जा सकते सिख

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) पेशावर। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में रहने वाले सिख समुदाय के लोगों को सार्वजनिक रूप से कृपाण (खंजर) ले जाने की अनुमति नहीं है। इसके लिए वह सरकार से कानून बनाने की मांग कर रहे हैं। सिख धर्म के अनुयायियों के लिए पांच चीजें अनिवार्य हैं– केश, कड़ा, कंघा, कच्छा और कृपाण। रिपोर्ट के अनुसार, खैबर पख्तूनख्वा के सिख कृपाण पर सहीं कानून न होने से परेशान हैं, जबकि पाकिस्तान का संविधान धर्म की स्वतंत्रता की गारंटी देता है। इसे कपड़ों के नीचे या ऊपर पहना जा सकता है। सिख धर्म में कृपाण अन्याय के खिलाफ संघर्ष का प्रतीक है और धर्म का एक अभिन्न अंग है। प्रांत का सिख समुदाय सरकारी कार्यालयों में जाने, अदालत या पुलिस स्टेशन में प्रवेश करने और हवाई यात्रा के दौरान कृपाण ले जाने की अनुमति देने के लिए कानून की मांग कर रहा है।

परमाणु बमों की अभेद्य ताकत जुटा रहा चीनी ड्रैगन

चीन परमाणु मिसाइलों को छिपाने के लिए बना रहा गुप्त ठिकाने

खुलासा

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

बीजिंग। लद्दाख से लेकर दक्षिण चीन सागर तक में दादागिरी दिखा रहे चीनी ड्रैगन ने दुनिया को परमाणु बमों से पाटने की तैयारी शुरू कर दी है। सैटलाइट तस्वीरों से खुलासा हुआ है कि चीन परमाणु मिसाइलों को छिपाने के लिए बहुत तेजी से तीन गुप्त ठिकाने बना रहा है। इन ठिकानों से परमाणु बमों से लैस मिसाइलों को आसानी से दागा जा सकेगा। इन तवीरों से यह भी पता चला है कि चीन अपनी परमाणु ताकत बढ़ाने के लिए पानी की तरह से पैसा बहा रहा है और प्रयास कर रहा है।

फेडरेशन ऑफ अमेरिकन साइंटिस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक चीन ने अपने पश्चिमी इलाके में बनाए जा रहे मिसाइल साइलो को बनाने में महत्वपूर्ण सफलता हासिल कर ली है। सैटलाइट तस्वीरों के आधार पर इस शोध को करने वाले परमाणु वैज्ञानिक मैट कोर्दा ने और हांस एम

क्रिस्टेंशन ने लिखा, चीन के लिए यह बेहद अप्रत्याशित परमाणु जमावड़ा है। उन्होंने कहा कि चीनी मिसाइल साइलो अभी पूरी तरह से शुरू होने में कई साल पीछे भले ही चल रहा हो लेकिन यह देखना दिलचस्प होगा कि चीन इनका संचालन किस तरह से करता है।

चीन की बढ़ती सैन्ध्य ताकत ने अमेरिका की नीदें उड़ा दी हैं: यह खुलासा ऐसे समय पर हुआ है जब चीन की बढ़ती सैन्य ताकत ने अमेरिका की नीदें उड़ा दी हैं। चीन के पहले मिसाइल साइलो का खुलासा जून महीने में हुआ था। इसके बाद चीन के दूसरे और तीसरे मिसाइल साइलो का खुलासा हुआ। अमेरिकी सेना के रणनीतिक कमांड ने एक ट्वीट करके कहा था कि हम इस खतरे के बारे में लंबे समय से आगाह कर रहे थे जो हर तरह से गोपनीयता की चादर में लिपटा हुआ है।

अमेरिकी नौसेना ने कहा है कि चीन की सेना का तेजी से विकास और आधुनिकीकरण स्तब्ध करने वाला है और स्तब्ध शब्द भी इसके लिए कम है। परमाणु वैज्ञानिकों का अनुमान है कि चीन 300 नई मिसाइलों के लिए साइलो बना रहा है। उन्होंने कहा कि ऐसा पहली बार है कि चीन इतने तेजी से मिसाइल साइलों का निर्माण कर रहा है। इन मिसाइल साइलो का निर्माण चीन ऐसे समय पर कर रहा है जब हाल ही में उसने अंतरिक्ष से हाइपरसोनिक मिसाइल दागने का परीक्षण किया था।

साइलो के अंदर परमाणु मिसाइलों को छिपाकर रखा जाएगाः अमेरिका ने इस परीक्षण को चिंताजनक करार दिया था। विशेषज्ञों का कहना है कि चीन ने अपनी मूलभूत नीति में बदलाव नहीं किया है, लेकिन पहले की तुलना में वह अब ज्यादा कर रहा है। उन्होंने कहा कि अमेरिका जिस तरह से पहले हमला करके शत्रु को तबाह करने की नीति का पालन करता है, उस खतरे को देखते हुए चीन अब मिसाइल साइलो का निर्माण कर रहा है। इन साइलो के अंदर परमाणु मिसाइलों को छिपाकर रखा जाएगा ताकि अमेरिकी हमलों से बचाया जा सके और फिर पलटवार किया जा सके।

अमेरिका ने 5 से 11 वर्ष के बच्चों को कोरोना रोधी टीका लगाने की मंजूरी दी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वॉशिंगटन। अमेरिका के स्वास्थ्य अधिकारियों ने 'फाइजर' के कोविड–19 रोधी टीके की बच्चों के मुताबिक तैयार खुराक 5 से 11 वर्ष के बच्चों को देने की अनुमति दे दी। खाद्य एवं औषधि प्रशासन (एफडीए) ने 5 से 11 वर्ष की आयु के बच्चों को टीके की खुराक देने की अनुमति पहले ही दे दी थी। यह खुराक वयस्कों और किशोरों को दी जाने वाली खुराक की एक तिहाई है।

हालांकि एफडीए द्वारा स्वीकृत टीके किसे दिए जाएं इसकी औपचारिक अनुशंसा रोग नियंत्रण एवं रोकथाम केन्द्र (सीडीसी) करता है। एक सलाहकार पैनल के सर्वसम्मति से 'फाइजर' के टीके की खुराक 2.8 करोड़ बच्चों को दिए जाने का फैसला करने के कुछ ही घंटों बाद सीडीसी की निदेशक डॉ. रोशेल वेलेंस्की ने उक्त घोषणा की। इस फैसले के साथ ही पहली बार अमेरिका में 12 वर्ष से कम उम्र के बच्चों को कोविड–19 रोधी टीके लग पाएंगे। वेलेंस्की ने कहा, 'एक मां होने के नाते, मैं सभी अभिभावकों को कहना चाहती हूं कि वे बाल विशेषज्ञों, स्कूल की नर्स या स्थानीय चिकित्सकों से टीके के बारे में और जानकारी लें तथा बच्चों के टीकाकरण के महत्व को समझें।'

अमेरिका में खिला शव की बदबू देने वाला फूल

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वॉशिंगटन। अमेरिका के दक्षिणी कैलिफोर्निया इलाके में एक विशाल और बदबूदार फूल खिला है जिसे देखने के लिए हजारों की तादाद में लोग आ रहे हैं। इंडोनेशिया के सुमात्रा में पाया जाने इस फूल को मुर्दा पौधा कहा जाता है। यह फूल दक्षिणी कैलिफोर्निया बॉटनिकल गार्डेन में खिला है। बताया जा रहा है कि अमोरफोफलस प्रजाति के इस पौधे में रविवार दोपहर को फूल खिलना शुरू हुआ। इस फूल को देखने की चाहत लोगों में इतनी ज्यादा थी कि शाम तक इस गार्डेन के सभी टिकट बिक गए। करीब 5 हजार लोगों ने इस विचित्र फूल का दीदार किया। हालांकि निराशाजनक बात यह रही कि यह फूल करीब 48 घंटे तक ही खिला रहा और उसके बाद मुरझा गया।

कश्मीरियों की हिमायत का पाकिस्तानी दावा निकला खोखला

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

शारजाह। कश्मीरियों की मदद का दिखावा करने वाले पाकिस्तान के हुक्मरानों की कलई खुल गई है। पाकिस्तान ने श्रीनगर से शारजाह जाने वाली उड़ान को अपने हवाई क्षेत्र से गुजरने को मंजूरी नहीं दी है। इससे अब विमानों को ज्यादा दूरी से चक्कर काटते हुए जाना पड़ेगा जिससे यात्री किराया काफी बढ़ जाएगा। यह पूरी तरह से अंतरराष्ट्रीय मानकों का उल्लंघन है लेकिन पाकिस्तान ने अमानवीय कदम उठाते हुए इसे रोक दिया है। श्रीनगर से शारजाह की उड़ान को 11 साल बाद मंजूरी दी गई है।

पाकिस्तान की इस करतूत से

श्रीनगर से शारजाह की उड़ान को मंजूरी नहीं दी

अब किराया बढ़ जाएगा और इसका बोझ कश्मीरियों को उठाना पड़ेगा। पाकिस्तानी फैसले की वजह से श्रीनगर से उड़ान भरने वाले प्लेन को अब उदयपुर, अहमदाबाद और ओमान के रास्ते शारजाह जाना पड़ा है। जम्मू–कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने ट्वीट करके इसे बहुत ही दुखद घटना करार दिया है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान ने ठीक यही हरकत साल 2009–10 में एयर इंडिया एक्सप्रेस विमान के दुबई जाने वाले विमान के साथ की थी।

विदेश मंत्रालय ने पाकिस्तान के फैसले के बारे में सूचना दी अब्दुल्ला ने कहा कि मुझे उम्मीद थी कि गो फर्स्ट को पाकिस्तानी एयरस्पेस से उड़ान भरने की अनुमति दी गई थी तो यह रिश्तों में सुधार का संकेत था लेकिन दुखद यह रहा है कि यह नहीं होने जा रहा है। इससे पहले 23 अक्टूबर को केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने श्रीनगर–शारजाह की उड़ान को हरी झंडी दिखाई थी। इससे अब 11 साल बाद यूएई का सीधा संपर्क कश्मीर से हो गया था।

भारत के विदेश मंत्रालय ने पाकिस्तान के फैसले के बारे में नागरिक उड्डयन मंत्रालय को सूचना दी है। एक अधिकारी ने कहा कि पाकिस्तान का फैसला बहुत ही चौकाने वाला है।

अफ्रीकी देश इथियोपिया में आपातकाल लागू, राजधानी की ओर बढ़े सशस्त्र विद्रोही

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नैरोबी। अफ्रीकी देश इथियोपिया में प्रतिद्वंद्वी टिग्रे बलों के राजधानी की ओर बढ़ने की धमकी देने और देश में एक साल से जारी युद्ध के तेज होने के बीच सरकार ने राष्ट्रीय आपातकाल की घोषणा कर दी। अमेरिका ने कहा कि इथियोपिया में सुरक्षा संबंधी हालात 'बहुत खराब' हो गए हैं और उसने वहां मौजूद अपने नागरिकों को देश छोड़कर जाने की सलाह दी।
इथियोपिया की मंत्री परिषद ने आपातकाल की घोषणा की, जो प्रधानमंत्री अबी अहमद की सरकार की ओर से संकट का स्पष्ट संकेत है। टिग्रे क्षेत्र में पिछले एक साल में हजारों लोगों की मौत हो चुकी है। मंत्री परिषद ने आपातकाल की घोषणा करते हुए कहा है कि टिग्रे बल और उनके सहयोगी, देश के अस्तित्व के लिए 'गंभीर एवं आसन्न खतरा' पैदा कर रहे हैं। प्रधानमंत्री ने ट्वीट किया, 'सभी की परीक्षा होगी।' पीएम ने कहा कि यह घोषणा 'संघर्ष की अवधि को कम करने और समाधान के लिए समय प्रदान करने' के मकसद से की गई है।